वेंडर विकास एवं विपणन सहायता प्रोग्राम

www.mpvdp.in

वी सी दुबे
नोडल अधिकारी
वेंडर विकास एवं विपणन सहायता प्रोग्राम
रजनीश पटेल
एम बी एफ सी

उद्देशय

यह कार्यक्रम वर्ष 2012 में इस संकल्पना के साथ प्रारम्भ किया गया था कि प्रदेश की सूक्ष्म एवं लघु ईकाइयों को वृहद् ईकाइयों के वेंडर के रूप में विकसित किया जावे ताकि -

- सुक्ष्म एवं लघु उद्योगों को व्यवसाय प्राप्त हो
- वेंडर ईकाइयों का एक ऐसा पूल तैयार हो जो प्रदेश में निवेश के लिए वृहद् ईकाइयों को आकर्षित करे
- स्थानीय स्तर पर सहउत्पाद एवं सेवाओं के प्राप्त होने से अंतिम उत्पाद का लागत मूल्य कम हो
- प्रदेश के बाहर से आ रही सामग्री में कमी आये
- स्थानीय स्तर पर उद्यमी वृहद् ईकाइयों को लगने वाले सहउत्पादो के लिए उद्यम स्थापित कर सके एवं रोजगार में वृद्धि हो ,

वेंडर परिभाषा

- वेंडर वह सुक्ष्म या लघु उद्योग है जो किसी प्रकार की सामग्री /सहउत्पाद अथवा सेवा वृहद् ईकाईयो को जिसमे निजी क्षेत्र एवं शासन के उपक्रम दोनों सम्मिलित है ,को प्रदाय करना चाहते है
- इसमें ट्रेडर्स को सम्मिलित नहीं किया गया है
- स्टार्टअप भी अब इस कार्यक्रम का हिस्सा होंगे व वे भी उक्त पोर्टल पर अपना पंजीकरण कर सकेंगे

एंकर ईकाई परिभाषा

- वृहद् ईकाइयां जो निजी क्षेत्र अथवा सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यरत है

- ये ईकाइयां प्रदेश व प्रदेश के बाहर स्थित हो सकती है

फोकस सेक्टर

फार्मास्यूटिकल,टेक्सटाइल , फ़ूड प्रोसेसिंग, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग, डिफेन्स, शासन के अन्य उपक्रम जिसमे रेल्वे तथा कोल सम्मिलित है

कार्यक्रम के लाभ

- सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के उत्पादों के गुणवत्ता ,विश्वसनीयता एवं उत्पादन के क्षेत्र में सुधार
- बाजार एवं आवश्यकता की बेहतर समझ विकसित होना तथा उसके अनुसार उत्पाद में परिवर्तन करने की क्षमता का विकास
- सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों तथा वृहद् ईकाईयो के मध्य बेहतर संवाद व टेक्नोलॉजी का आदान प्रदान
- तीव्र निर्णय लेने की क्षमता में विकास
- स्टार्टअप द्वारा किये जा रहे कार्यो /विकसित किये गए उत्पाद /सेवाओं का प्रदर्शन

कार्यक्रम की रणनीति

- सूक्ष्म एवं लघु ईकाइयों का प्रोफाइल तैयार करना एवं पर उनका www.mpvdp.in पर पंजीकरण करना
- वृहद् ईकाइयों का प्रोफाइल तैयार करना , उनको लगने वाले सहउत्पादो को चिन्हित करना , www.mpvdp.in पर पंजीकरण करना
- प्रदर्शनियों के माध्यम से सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के उत्पादों का प्रदर्शन साथ ही साथ विरहद इकाइयों को आवश्यक सहउत्पादो /सेवाओं से उद्यमियों को परिचय कराना
- बी टू बी बैठकों के माध्यम से सुक्ष्म एवं लघु उद्योगों तथा वृहद् इकाइयों के मध्य सम्बन्ध स्थापित करना

- सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित करना
- स्थानीय स्तर पर भी उपलब्ध ईकाईयो के मध्य संवाद स्थापित करना
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए चिन्हित कर उनका पूल तैयार करना और उन्हें इस कार्य के लिए प्रेरित करना

www.mpvdp.in